# MAHD-06

## June - Examination 2026
## M.A. (Final) Examination
## हिन्दी साहित्य
## कथा–साहित्य
## Paper : MAHD-06

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **80***]

**निर्देश :–** यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

**खण्ड–'अ'** **8×2=16**

**(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :–** **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –
   (i) 'कर्मभूमि' और 'गबन' उपन्यास के लेखक का नाम बताइए।
   (ii) 'गोदान' के प्रमुख दो स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।
   (iii) हिन्दी में नयी कहानी का प्रारम्भ किस कहानी से माना जाता है?
   (iv) 'समय सरगम' उपन्यास में आख्या और ईशान के स्वभावगत अंतर को स्पष्ट कीजिए।
   (v) 'पत्नी' कहानी का मूल प्रतिपाद्य लिखिए।
   (vi) 'टूटना' कहानी के प्रमुख पात्र की दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।
   (vii) जैनेंद्र के किन्हीं तीन उपन्यासों के नाम लिखिए।
   (viii) 'सचेतन' कहानी आन्दोलन के दो कहानीकारों के नाम लिखिए।

**खण्ड–'ब'** **4×8=32**

**(लघु उत्तरीय प्रश्न)**

**निर्देश :–** **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्य खण्ड की सप्रंसग व्याख्या कीजिए –

वैवाहिक जीवन के प्रभात में लालसा अपनी गुलाबी मादकता के साथ उदय होती है और हृदय के सारे आकाश को अपने माधुर्य की सुनहरी किरणों से रंजित कर देती है। फिर मध्याह्न का प्रखर ताप आता है, क्षण–क्षण पर बगूले उठते हैं और पृथ्वी काँपने लगती है। लालसा का सुनहरा आवरण हट जाता है और वास्तविकता अपने नग्न रूप में सामने आ खड़ी होती है। उसके बाद विश्राममय संध्या आती है, शीतल और शांत, जब हम थके हुए पथिकों की भाँति दिन–भर की यात्रा का वृत्तान्त कहते और सुनते हैं तटस्थ भाव से, मानो हम किसी ऊँचे शिखर पर जा बैठे हैं जहाँ नीचे का जन–रव हम तक नहीं पहुँचता।

3. निम्न लिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

चाँद एक कन्या है, और यह पृथ्वी का काला सौन्दर्य उसका आवरण किंतु चाँद इतना सुन्दर है कि इस आवरण को उसे ढक रखने का अधिकार नहीं है, इसीलिए चाँद ने उसे उतार फेंका और निरावरण होकर क्षितिज के ऊपर आ गया है। और वह सौन्दर्य बिखर कर उस परित्यक्त आवरण को भी कितना सुन्दर बनाए डालता है।

4. निम्नलिखित गद्य खण्ड की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''एक चिंता–पूर्ण आलोक में पहले पहल शराबी ने आँख खोल कर कोठरी में बिखरे हुए दारिद्रय की विभूति को देखा और देखा उस घुटनों से ठुड्डी लगाए हुए निरीह बालक को। उसने तिलमिलाकर मन–ही–मन प्रश्न किया, किसने ऐसे सुकुमार फूलों को कष्ट देने के लिए निर्दयता की सृष्टि की? आह री नियति! तब इसको लेकर मुझे घर–बारी बनना पड़ेगा क्या? दुर्भाग्य! जिसे मैंने कभी सोचा न था।''

5. अमरकांत द्वारा लिखित ''जिन्दगी और जोंक'' कहानी की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए।
6. टूटना कहानी मुख्य रूप से मानवीय सम्बंधों विशेषकर पति–पत्नी के आपसी प्रेम और विश्वास के बिखरने को रेखांकित करती है। स्पष्ट कीजिए।
7. कृष्ण बलदेव कृत 'मेरा दुश्मन' कहानी की शिल्पगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
8. 'सरगम' उपन्यास की उपन्यास के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।
9. मेहता एवं मालती के चरित्रों की विवेचना कीजिए।

## खण्ड–'स' **2×16=32**

## (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

**निर्देश** :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. ''गोदान उपन्यास में कृषक जीवन की त्रासदी का मार्मिक चित्रण हुआ है।'' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।
11. अज्ञेय के 'शेखर एक जीवनी' के आधार पर शेखर की चारित्रिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।
12. प्रेमचन्द्र की 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की कहानी के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।
13. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) 'सिक्का बदल गया' कहानी का सारांश
    (ख) 'जिन्दगी और गुलाब' कहानी की मूल संवेदना
    (ग) उपन्यास के प्रकार
    (घ) कहानी के तत्व

---